Class 12 Jeev Vigyan Important Questions Hindi Medium Chapter 4 जनन स्वास्थ्य

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
जनमानस के जननिक स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से चलाये जा रहे सरकार के आर.सी.एच. (RCH) कार्यक्रम पर टिप्पणी कीजिए।
उत्तर:
जनन सम्बन्धित सभी पहलुओं पर जनता में जागरूकता पैदा करना, एक स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु सुविधाएँ उपलब्ध कराना जिसमें माँ और शिशु के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना सम्मिलित है, आदि आर.सी.एच. कार्यक्रम के उद्देश्य है।

प्रश्न 2.
यौन संचरित रोगों को स्वयं द्वारा आमंत्रित रोगों की तरह देखा जाता है, टिप्पणी करें।
उत्तर:
नाम से ही स्पष्ट है यौन संचरित रोग लैंगिक संसर्ग द्वारा संचरित होते हैं अत: यदि व्यक्ति अनजान व्यक्ति/अनेक व्यक्तियों से सम्बन्ध न बनाए तो इन रोगों से बचा रह सकता है। अत: यह स्वयं द्वारा ही आमंत्रित होते है।

प्रश्न 3.
सहायक जनन प्रौद्योगिकी का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
उत्तर:
सहायक जनन प्रौद्योगिकी का प्राथमिक उद्देश्य बन्ध्य दम्पतियों को संतान प्राप्ति के अवसर सुलभ कराना है।

प्रश्न 4.
स्तनपान अनार्तव के एक गर्भनिरोधक के रूप में दो लाभ लिखिए।
उत्तर:
स्तनपान अनार्तव (Lactational amnorrhea) एक कारगर (effective) गर्भ निरोधक उपाय है क्योकि गर्भधारण के अवसर लगभग शून्य होते हैं दूसरे, चूंकि इसमें किसी दवा या अन्य साधन का उपयोग नहीं होता अत: इसके कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होते।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
GIFT तकनीक में युग्मकों का स्थानान्तरण फैलोपियन नलिका में किया जाता है। क्या इसी प्रकार के परिणाम प्राप्त करने के लिए युग्मकों को गर्भाशय में स्थानान्तरित किया जा सकता है? कारण बताइये?
उत्तर:
गर्भाशय का पर्यावरण युग्मकों के जीवित रहने (उत्तर जीविता) के लिए अनुकूल नहीं होता। अगर युग्मकों को सीधे गर्भाशय में स्थानान्तरित कर दिया जाय तो वह या तो गर्भाशयी एण्डोमेट्रियम की कोशिकाओं द्वारा कोशिका भक्षण के शिकार हो जायेंगे अथवा अपक्षयित (degenerate) हो जायेंगे अतः जीवनक्षम युग्मनज का विकास नहीं हो पायेगा।

प्रश्न 2.
जनन अंगों के सभी संक्रमण (reproductive tract infections RTI) यौन जनित रोग होते हैं लेकिन सभी यौन जनित रोग जनन अंगों के संक्रमण (RTI) नहीं होते। कारण बताएँ।
उत्तर:
जनन अंगों के सभी संक्रमण यौन जनित ही होते हैं, इनका संक्रमण अन्य कारणों से नहीं होता। लेकिन सभी यौन जन्य रोगों जैसे गोनोरिया, सिफलिस, जेनाइटल हपीज, क्लेमाइडिएसिस, हेपेटाइटिस - बी, एड्स आदि में से एड्स व हेपेटाइटिस - बी जनन अंगों के संक्रमण नहीं है हाँ उनका संचरण लैंगिक सम्पर्क द्वारा हो सकता है। अन्य सभी रोग लैंगिक सम्पर्क द्वारा फैलते हैं तथा जनन मार्ग (reproductive tract) के संक्रमण भी हैं।

https://www.evidyarthi.in/